

मुकुल माधव फाउंडेशन ने मूक-बधिर विद्यार्थियों को समर्पित किया मल्टीफंक्शन प्रिंटर

जयपुर। मुकुल माधव फाउंडेशन ने अपने सीएसआर पार्टनर फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से राजकीय सेट आनंदीलाल पोद्दार बधिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जयपुर को एक मल्टीफंक्शन प्रिंटर भेंट किया। यह पहल विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 580 मूक-बधिर विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री भरत जी (प्रधानाचार्य), सुशी रेशमा जी (समन्वयक), श्री दयाराम स्वामी (सीएसआर एजीक्यूटिव, मुकुल माधव फाउंडेशन), श्री अभिषेक जी (फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड) सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति



उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने मुकुल माधव फाउंडेशन के माननीय मैनेजिंग ट्रस्टी एवं फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड का इस सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मल्टीफंक्शन प्रिंटर की उपलब्धता से अध्ययन सामग्री, प्रश्न-पत्र, कार्यपत्रक एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की

तैयारी और प्रिंटिंग का कार्य अधिक सुगमता एवं दक्षता के साथ किया जा सकेगा, जिससे विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा एवं समग्र विकास के लिए निरंतर सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बज्जिका को संविधान की अष्टम सूचीमें स्थान दिलाने एवं इस भाषा का अलग कोड दिलाने की मांग के लिए चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल दिल्ली रवाना

जनगणना 2026 को लेकर बज्जिका भाषा संयुक्त संघर्ष समिति ने एक विचार गोष्ठी में अपनी मातृभाषा के लिए आवाज उठाई है। जन गणना में बज्जिका भाषा को शामिल करने की मांग तेज करते हुए, संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वर्मा एवं उपाध्यक्ष रवींद्र कुमार रतन ने भारत के जन-गणना से सम्बन्धित अधिकारियों, रजिस्ट्रार जनरल से बज्जिका को जनगणना में समुचित स्थान देने की मांग की है। उनका कहना है कि यह भाषा लगभग चार करोड़ लोगों की मातृभाषा है जिसे नजर अंदाज करना उचित नहीं। आगे उन लोगों ने बताया कि सोन पुर, बैराली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिविर, समस्तीपुर के लगभग शतप्रतिशत प लोग बज्जिका हैं, उनके जन-गणना में अलग पहचान मिलनी चाहिए। उन लोगों ने आगे कहा कि भाषा पर किसी तरह का विवाद उचित नहीं है। बज्जिका भाषा को संविधान की अष्टम अनुसूची में स्थान दिलाने एवं उसके अलग कोड की मांग के लिए बज्जिका समन्वय समिति के चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल बैराली के संजय वर्मा एवं राजीव रंजन जी के नेतृत्व में दिल्ली रवाना हो गए। उनके साथ पटौरी के बंशिश राय बंशिश एवं पटना के बज्जिका



के प्राण राम नरेश शर्मा भी हैं। उनका प्रमुख मांगों में एक जनगणना 2026 में बज्जिका भाषा के लिए अलग कोड की व्यवस्था, दो, बज्जिका को संविधान की 8म सूची में स्थान दिलाना है। रतन जी ने कहा लोकभाषा बज्जिका को बढ़ावा देने के लिए बज्जिकांचल के सभी संबन्धित पदाधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्री और साहित्यकार आगे आ कर इसे प्रमोट करें। लोक भाषा का हमारे जीवन में बड़ा महत्वपूर्ण भूमिका है। यह हमारी संस्कृति, सामाजिक परम्पराओं की पहचान

है। अपने क्षेत्र की सोधे मिथी से जुड़ने का जरिया है इसके बगैर हम अपनी जड़, ऐतिहासिक परम्पराओं से कट जाते हैं। बज्जिका भाषा की प्रांजलता को आम जन के निकट लाने की आवश्यकता है। बज्जिका भाषा की दर्द भरी अब पुकार सुनो। अष्टमसूचीऔ कोड के लिए अब दिल्ली में शंखनाद सुनो जनगणना के दौरान हर व्यक्ति की वास्तविक मातृभाषा ही दर्ज की जानी चाहिए। इससे अस्मिता और भाषाई पहचान तथा सांस्कृतिक साहित्यिक विरासत को संरक्षित रखने में भरपूर सहयोग मिलता है।

साहित्य साधक मंच का 228 वां मासिक कार्यक्रम संपन्न, श्रोता हुए भाव विभोर

बंगलुरु की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 228 वां मासिक कार्यक्रम गोवा के नवगीतकार श्री कृष्ण शर्मा अशेष की अध्यक्षता एवं प्रख्यात गुजलकार श्री सुनील कुमार तंग के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में गीत कवयित्री गिरिजा कुलश्रेष्ठ, सुभा अहलूवालिया एवं रचना उनीयाल ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्या श्रीनिवासन वसुधा द्वारा मधुर स्वर में प्रस्तुत शौ शारदे की वंदना से हुआ। मंचासीन अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया। तत्पश्चात आयोजित काव्य गोष्ठि में विभिन्न रसों में डूबी कविता, गीत गुजल की अविरल धारा बहती रही और श्रोता मंत्रमुग्ध होकर उसमें डूबकी लगाते रहे। काव्य गोष्ठी में श्री कृष्ण शर्मा अशेष,



सुनील कुमार तंग, रचना उनीयाल, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, सुभा अहलूवालिया, दर्शन बेजूर, भूपेंद्र सिंह «कटाक्ष», आशीष राठी, डॉ साकेत प्रवीर, त्रिलोकी मोहन

पुरोहित, गीता चौबे गूज, ज्ञानचंद मर्मज्ञ, डॉ पुनम सिन्हा, अर्जुन सिंह धरमधारी, पद्या श्रीनिवासन वसुधा, राही राज, प्रीति राही, वरुण दीक्षित, राधेश्याम

गुरु बिन कौन बतावे बाट



अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इकाई द्वारा महर्षि वेद व्यास जयंती के उपलक्ष्य में एक काव्य संगोष्ठी का आयोजन प्रेस क्लब सेक्टर सताईस चंडीगढ़ में किया गया। इस गोष्ठी में टुईसटी के अनेक साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया। सबसे पहले पंचकूला इकाई अध्यक्ष डॉ विनोद शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात् सृजन संस्था के अध्यक्ष व प्रसिद्ध गायक सोमेश गुप्त द्वारा इस संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। संगठन की प्रांतीय अध्यक्ष डॉ संतोष गर्ग के सान्निध्य में उपस्थित रचनाकारों ने गुरु तत्व को वंदन करते हुए अपने अपने मन के उद्गार व्यक्त करते हुए शब्दरूपी श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मंच का संचालन करते हुए गणेश दत्त बजाज ने कहा कि जो गुरु तत्व दिखायी नहीं देता वही हमें सब कुछ दिखा रहा है, अच्छाई बुराई का ज्ञान करा रहा है। कवयित्री सुष्मा जोशी ने कहा कि गुरु के बिना भटक रही थी मिथ्या संसार में, कौन दिखाए किनारा? गुरु ने ही ज्ञान का दीप जलाया। छंदों की साधिका सरोज चोपड़ा पद्य ने कहा कि गुरु अपने शिष्यों पर जब करते हैं उपकार, तब होती है गुरुकृपा बहती है रसधार। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश सचिव राजीव गुप्ता जिन्होंने पहली बार संगठन की इस गोष्ठी में भाग लिया उन्होंने कहा कि गुरु की महिमा को लिखने के लिए कई जन्म लेने पड़ते हैं। दुआओं का अनोखा रंग चढ़े जिस पर एक बार, जिंदगी

भर कभी उसकी हरियाली नहीं जाती। साहित्यकार एम एल अरोड़ा ने कहा कि गुरु एक से अनेक हो सकते हैं, जिस अवसर पर जो राह दिखाए वही आपका गुरु है। कवयित्री नेह शर्मा नेह ने कहा कि गुरु की कृपा के बिना कुछ नहीं, गुरु कृपा से ही सब कुछ संभव हो सकता है। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता निभाते हुए डॉ संतोष गर्ग ने कहा कि इस धरती पर जो पूर्णता हमें अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाये, वही हमारी गुरु है। यह धरती जो हमें झुकना सिखाती है वह भी गुरु है। जल, पेड़, पौधे, पूरी प्रकृति के सभी संसाधन हमें फल पल ज्ञान का बोध कराते हैं। पंचकूला इकाई अध्यक्ष डॉ विनोद शर्मा ने कहा कि गुरु के ज्ञान से हमें दूसरा जन्म मिलता है और देह का अभिमान दूर हो कर मन में पवित्रता भर जाती है। विश्व गुप्ता जी ने कहा कि हमें सदैव गुरु की शरण में रहना चाहिए। भगवान धरा पर स्वयं नहीं आते, वह हमें ज्ञान देने के लिए माता पिता के साथ-साथ गुरु के रूप में किसी न किसी को भेज देते हैं। इस गोष्ठी के संयोजन में इकाई महासचिव अनिल शर्मा चिंतक का विशेष सहयोग रहा। अंत में साहित्यप्रेमी सुशील चोपड़ा ने गुरु मेरी पूजा गुरु गोविंद, गुरु मेरा पारब्रह्म गुरु भगवंत शब्द सुनाकर सभी को गुरु प्रेम रसधार में डुबो दिया।

द्वारा: संतोष गर्ग

वाणिज्यिक कर विभाग की कार्रवाई में अस्तित्वहीन फर्म का पर्दाफाश

जयपुर (नि.सं.)। कर चोरी एवं फर्जी जीएसटी पंजीकरण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वाणिज्यिक कर विभाग ने जयपुर स्थित मैसर्स रमसन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड पर सर्वे कार्रवाई करते हुए एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। जांच के दौरान फर्म अपने घोषित व्यावसायिक पते पर अस्तित्वहीन पाई गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फर्म का जीएसटी पंजीकरण फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त किया गया था। विभाग द्वारा यह भी आशंका जताई गई है कि फर्म द्वारा अपनी पात्रता से अधिक इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का दावा कर राजस्व को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

ज्ञानचंद मर्मज्ञ, अध्यक्ष, साहित्य साधक मंच, बंगलुरु।